13/12/15

मौखिक

क) उ पतंग उड़ाने का शौक था।
ख) उ पतंग मँगा था।
ग) उ भगवान राम के पास।
घ) उ पतंग ऊपर काकी लिखा था।
ङ) उ काकी के प्रति अबोध श्यामू का प्रेम देखकर

लिखित

1. क) काकी पाठ का लेखक श्री सियाराम शरण गुप्त है।

ख) श्यामू के मित्र का नाम भोला था।
ग) 'काकी' एक बाल मनोविज्ञानिक है।
घ) पतंग पर काकी लिखा था।
ङ) श्यामू ने विश्वेश्वर के कोट से एक चवन्नी चुराया।

5

2. क) "भोला, किसी से न कहे तो एक बात कहूँगा?"
उ श्यामू ने भोला से
ख) "बात तो बड़ी अच्छी है लेकिन एक कठिनाई है।"
उ भोला ने श्यामू से
ख) "तुमने हमारे कोट से रुपया निकाला है?"
उ काका ने श्यामू से
ग) "यह किसने मँगाई?"
उ काका ने भोला से कहा,

'काकी भगवान राम के पास गई है' क्या यह बात श्यामू की समझ में आई? नहीं, तो क्यों?

उ 'काकी भगवान के पास गई है' यह बात श्यामू की समझ में नहीं आई क्योंकी श्यामू अबोध बालक था उसे समझाना बहुत कठिन था इसलिए उसे बहलाने के लिए यह बात कही गई। अगर उसे बताया जाता कि उसकी काकी की मृत्यु हो गई है और वह कभी वापिस नहीं आएगी तो उसे बहुत दुख होता। श्यामू को उम्मीद थी कि एक उसकी काकी भगवान राम के पास से वापस आएगी और उसे पहले सरह प्यार करेगी। दूसरे शब्द में कह सकते है कि श्यामू से उसकी काकी की मृत्यु की सच्चाई छुपाई गई।

13/5

Date
Page

ख) श्यामू काकी को किस तरीके से नीचे लाना चाहता था? उसने उसके लिए क्या उपाय सोचा?

उ श्यामू पतंग द्वारा काकी को नीचे लाना चाहता था इसके लिए उसने अपने काका की कोट से पैसे निकाले तथा इन पैसे से उसने बीला से पतंग और सस्ती मंगवाई। पतंग पर 'काकी' के नाम की चिट भी लगा दी ताकि पतंग सीधे काकी के पास पहुँचे और वह राम के घर से पतंग पकड़कर नीचे आ जाए।

ग) विश्वेश्वर क्यों हतप्रभ हो गए?

उ श्यामू का अपनी काकी के प्रति असीम प्रेम देखकर तथा उनको पाने के लिए उसने जो उपाय किए उनको देखकर विश्वेश्वर हतप्रभ हो गए।

13/5

Date
Page

4. "वह काकी के लिए लगातार रोता रहा। समय ने उसका रोना तो कम करवा दिया पर उसके अंदर का दुख कम नहीं हुआ।" पंक्तियों के अनुसार श्यामू की मनःस्थिति कैसी थी? उसके दुख का कारण क्या था?

उ इन पंक्तियों को पढ़कर लगता है कि श्यामू की मनःस्थिति अत्यंत दयनीय व नाजुक थी। अपनी काकी की मृत्यु हो जाने पर या हमेशा-हमेशा के लिए सो जाने के मोह से वह अनजान था जो उसके दुख का मूल कारण था। यही वजह थी जब उसके घर वाले काकी को श्मशान घाट ले जा रहे थे तो फूट-फूटकर रोने लगा। उसको रोते-बिलखते देखकर घर वालों का कलेजा भी मुँह को आ गया। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि उसके घरवाले अपने को और श्यामू को सही स्थिति से अवगत नहीं करा पा रहे थे।